

## पाठ 5 वीरेन डंगवाल (तोप)

### वीरेन डंगवाल: जीवन परिचय

#### भूमिका

हिंदी कविता की समकालीन परंपरा में कुछ नाम ऐसे हैं जिन्होंने न केवल अपनी विशिष्ट शैली से साहित्य को समृद्ध किया, बल्कि जन-जीवन की गहराइयों को भी छू लिया। ऐसा ही एक नाम है - वीरेन डंगवाल। उनकी कविताएँ आम जन के जीवन, संघर्ष, उनकी तकलीफों, उम्मीदों और आकांक्षाओं को बड़ी सरलता और संवेदनशीलता से अभिव्यक्त करती हैं। एक कवि, अनुवादक, प्राध्यापक और पत्रकार के रूप में वीरेन डंगवाल का जीवन साहित्य के प्रति समर्पण और मानवीय संवेदनाओं का प्रतिबिंब रहा है।

#### प्रारंभिक जीवन और शिक्षा

वीरेन डंगवाल का जन्म 5 अगस्त 1947 को उत्तराखंड राज्य के टिहरी गढ़वाल जनपद के कीर्तिनगर नामक छोटे से कस्बे में हुआ था। उनका जन्म भारतीय स्वतंत्रता की पूर्व संध्या पर हुआ, जब देश नई चेतना और बदलाव की ओर अग्रसर हो रहा था। यह संयोग उनके जीवन और लेखन में भी झलकता है, जहाँ उन्होंने बदलाव, समाज और जनसामान्य की बात पूरे साहस और स्पष्टता से की।

उनकी प्रारंभिक शिक्षा नैनीताल में हुई, जहाँ उन्होंने कुदरत के सौंदर्य, पहाड़ी जीवन की सरलता और कठिनाइयों को बहुत करीब से देखा और महसूस किया। इसके बाद उन्होंने इलाहाबाद विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा प्राप्त की। इलाहाबाद, जिसे साहित्य और राजनीति की भूमि कहा जाता है, वहाँ रहकर वीरेन का बौद्धिक विकास हुआ और साहित्यिक दृष्टिकोण परिपक्वता की ओर अग्रसर हुआ। विश्वविद्यालय के दिनों में ही उन्होंने कविताएँ लिखना आरंभ कर दिया और एक सजग विचारक के रूप में पहचाने जाने लगे।

#### साहित्यिक योगदान

वीरेन डंगवाल की रचनाएं मुख्यतः कविताओं के रूप में ही प्रसिद्ध हुईं। उनकी कविताओं में आम जन का जीवन, लोकधर्मिता, प्रकृति, जीव-जंतु, सामाजिक विडंबनाएँ, सत्ता के खिलाफ प्रतिरोध और मानवीय संवेदनाएँ प्रमुख रूप से दिखाई देती हैं। उन्होंने ऐसे विषयों और पात्रों को अपनी कविताओं में स्थान दिया, जिन्हें समाज अक्सर अनदेखा कर देता है।

उनके प्रमुख काव्य संग्रह निम्नलिखित हैं:

1. इसी दुनिया में
2. दुष्कर में स्रष्टा

Ncert Solutions of पाठ 5 वीरेन डंगवाल (तोप)

‘इसी दुनिया में’ उनके पहले काव्य संग्रह के रूप में आया, जिसने साहित्य-जगत में हलचल मचा दी। इस संग्रह को श्रीकांत वर्मा पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस संग्रह की कविताएँ वर्तमान समाज की सच्चाइयों, विषमताओं और उसमें पलती करुणा को बड़ी आत्मीयता से प्रस्तुत करती हैं।

उनका दूसरा संग्रह ‘दुष्कर्म में स्रष्टा’ था, जिसे अत्यंत महत्वपूर्ण माना गया। इस संग्रह को साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त हुआ। यह संग्रह मानवीय जिजीविषा, सामाजिक संघर्षों और रचनात्मकता की जटिलताओं को प्रस्तुत करता है।

वीरेन की कविताओं की एक विशेषता यह रही है कि उन्होंने उन चीजों को कविता में लाया, जो अक्सर दिखकर भी अदृश्य रह जाती हैं – जैसे: एक ठेले वाला, सड़क पर पड़ा हुआ पत्थर, या कोई छोटा जीव। वे कविताओं के जरिए उन ‘अनदेखे’ जीवनों को दृश्यता प्रदान करते हैं।

### पत्रकारिता और शिक्षण कार्य

वीरेन डंगवाल केवल कवि नहीं थे, वे एक उत्कृष्ट शिक्षक और पत्रकार भी थे। उन्होंने बरेली कॉलेज, उत्तर प्रदेश में हिंदी के प्राध्यापक के रूप में लंबे समय तक अध्यापन कार्य किया। वहाँ उन्होंने न केवल छात्रों को हिंदी साहित्य की गहराई सिखाई, बल्कि उन्हें सामाजिक जागरूकता, तार्किक सोच और समकालीन विषयों पर दृष्टि रखने के लिए प्रेरित किया।

पत्रकारिता से उनका जुड़ाव भी गहरा रहा। वे एक समय में हिंदी के प्रतिष्ठित अखबारों और पत्रिकाओं के लिए लेख लिखते रहे। उन्होंने सामाजिक और राजनीतिक मुद्दों पर अपनी पेंनी दृष्टि से लेखन किया, जो आज भी प्रासंगिक है। उनकी भाषा सीधी, सरल, परंतु सटीक और धारदार होती थी।

### अनुवाद कार्य

वीरेन डंगवाल अनुवादक के रूप में भी उल्लेखनीय रहे। उन्होंने कई प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय कवियों की रचनाओं का हिंदी में अनुवाद किया, जिससे हिंदी पाठकों को अन्य भाषाओं की कविता का सौंदर्य समझने में मदद मिली।

उनके अनुवाद कार्य में खास तौर पर रूसी, जर्मन और अंग्रेजी भाषाओं के कवियों की कविताओं का चयन रहा। इन अनुवादों में भी उनकी संवेदनशीलता और भाषायी सादगी झलकती है। वे अनुवाद को केवल भाषा परिवर्तन नहीं मानते थे, बल्कि एक संस्कृति से दूसरी संस्कृति का संवाद मानते थे।

### सामाजिक सरोकार और विचारधारा

वीरेन डंगवाल की कविताएँ केवल सौंदर्यबोध तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि उन्होंने कविता को सामाजिक हस्तक्षेप का माध्यम भी बनाया। वे जनवादी विचारधारा से प्रभावित थे, और यह उनकी रचनाओं में भी स्पष्ट रूप से झलकता है।

## Ncert Solutions of पाठ 5 वीरेन डंगवाल (तोप)

उनकी कविताएँ अक्सर सत्ता की निरंकुशता, सामाजिक असमानता, गरीबों की उपेक्षा और मानवीय मूल्यों के क्षरण के खिलाफ तीव्र प्रतिरोध प्रस्तुत करती हैं। वे किसानों, मजदूरों, निम्न वर्ग, और स्त्रियों की पीड़ा को अपनी संवेदनाओं के केंद्र में रखते थे।

उदाहरण के लिए, उनकी एक प्रसिद्ध कविता 'राम सिंह' में उन्होंने एक रिक्शे वाले के जीवन की करुणा, जिजीविषा और संघर्ष को इतनी मार्मिकता से प्रस्तुत किया कि वह पूरे समाज का प्रतिनिधि पात्र बन जाता है।

### शैली और भाषा

वीरेन डंगवाल की भाषा सहज, बोलचाल की, लेकिन अत्यंत प्रभावशाली होती थी। उन्होंने भाषा को बौद्धिकता का जामा पहनाने की बजाय उसे आम आदमी की जुबान में ढाला। उनके यहाँ न शाब्दिक चमत्कार है, न कोई दुरुहता, पर शब्दों की सादगी में गहराई है।

उनकी शैली प्रभावशाली चित्रण, यथार्थवादी दृष्टिकोण और कथात्मकता से भरपूर होती है। वे कविता को जीवन के बेहद करीब लाते हैं — एक ऐसा अनुभव, जिसमें पाठक खुद को पहचान सके।

### सम्मान और पुरस्कार

वीरेन डंगवाल को उनकी काव्य प्रतिभा और साहित्यिक योगदान के लिए कई महत्वपूर्ण पुरस्कारों से सम्मानित किया गया:

- श्रीकांत वर्मा पुरस्कार (पहले संग्रह *इसी दुनिया में* के लिए)
- साहित्य अकादमी पुरस्कार (दूसरे संग्रह *दुष्चक्र में स्रष्टा* के लिए)
- इसके अतिरिक्त उन्हें विभिन्न राज्य स्तरीय एवं राष्ट्रीय साहित्यिक संस्थाओं द्वारा भी अनेक सम्मान प्राप्त हुए।

इन पुरस्कारों ने उनके साहित्यिक योगदान को मान्यता दी और उन्हें व्यापक पाठक वर्ग तक पहुँचाया।

### निधन

हिंदी साहित्य जगत के लिए एक बड़ी क्षति तब हुई जब 28 सितंबर 2015 को वीरेन डंगवाल का देहांत हो गया। वे 68 वर्ष के थे और कुछ समय से कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से पीड़ित थे। उनके निधन से साहित्यिक और बौद्धिक जगत में गहरा शोक व्याप्त हुआ।

हालाँकि वे शारीरिक रूप से अब हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनकी कविताएं, विचार और संवेदनाएं आज भी जीवित हैं। वे साहित्य की उस परंपरा का हिस्सा हैं जो आम जन की बात करती है, संवेदनाओं को अभिव्यक्ति देती है और अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाती है।

### निष्कर्ष

Ncert Solutions of पाठ 5 वीरेन डंगवाल (तोप)

वीरेन डंगवाल का जीवन और रचनाकर्म हिंदी साहित्य के लिए एक अमूल्य धरोहर है। उन्होंने कविता को केवल सौंदर्य या कल्पना का माध्यम नहीं, बल्कि सचाई और संघर्ष का माध्यम बनाया। उनकी कविताओं में आम जन की पीड़ा, प्रकृति की सुंदरता, सत्ता की विडंबना, और जीवन की सूक्ष्म बारीकियाँ सजीव हो उठती हैं।

वे उन चुनिंदा कवियों में से थे जिन्होंने साहित्य को जीवन के करीब लाया और भाषा को जन-जन की भाषा बनाया। उनकी कविताएं हमें यह सिखाती हैं कि शब्दों में कितनी ताकत होती है – न केवल सौंदर्य रचने की, बल्कि समाज को बदलने की भी।

वीरेन डंगवाल आज भी जीवित हैं – अपनी कविताओं में, अपने विचारों में, और उस संवेदना में जो हर पाठक के मन को छू जाती है।

प्रश्न – अभ्यास

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

प्रश्न 1. विरासत में मिली चीजों की बड़ी सँभाल क्यों होती है ? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर 1: (i) विरासत – विरासत का मतलब है वह संपत्ति जो पूर्वजों से हमें प्राप्त होती है। यह पैतृक होती है और पूर्वजों द्वारा संरक्षित वस्तुएं हमें पीढ़ी दर पीढ़ी मिलती हैं। यह धरोहर हमें बचाकर रखनी चाहिए, ताकि भविष्य में हम इसका सही उपयोग कर सकें।

(ii) विरासत की सुरक्षा – विरासत की सुरक्षा करना हमारी जिम्मेदारी है। यह हमारे पूर्वजों द्वारा छोड़ी गई धरोहर होती है, जो उनके इतिहास, संघर्ष, और योगदान को दर्शाती है। यह हमें हमारे पूर्वजों की महानता और उनके योगदान का स्मरण कराती है। इसलिए, यह आवश्यक है कि हम अपनी विरासत को नष्ट होने से बचाएं और इसकी उचित देखभाल करें।

प्रश्न 2. इस कविता से आपको तोप के विषय में क्या जानकारी मिलती है ?

उत्तर 2- (i) तोप की पहली अवस्था - इस कविता में तोप के दो रूपों का वर्णन किया गया है। पहले रूप में, जब तोप कार्यशील थी, तब वह बड़ी ताकत से चलती थी और वीरों को पराजित कर देती थी। उस समय वह युद्ध में अपनी शक्ति का प्रदर्शन करती थी और बड़ी वीरता को नष्ट कर देती थी।

(ii) तोप की दूसरी अवस्था - अब तोप की स्थिति बदल चुकी है। वह अब कंपनी बाग में एक प्रदर्शनी के रूप में रखी जाती है। जो पहले वीरों को मारती थी, वह अब बच्चों के लिए एक खिलौना बन गई है। बच्चे उस पर घुड़सवारी का खेल खेलते हैं, और पक्षी उसके अंदर-बाहर शैतानी करते हैं। अब तोप एक शरणस्थली बन चुकी है, जहाँ पक्षी आराम से आते-जाते हैं।

प्रश्न 3. कंपनी बाग में रखी तोप क्या सीख देती है ?

Ncert Solutions of पाठ 5 वारन डगवाल (ताप)

उत्तर 3- (1) कंपनी बाग में तोप: कंपनी बाग में 1857 की एक ऐतिहासिक तोप रखी गई है, जिसे अब एक धरोहर के रूप में सुरक्षित किया गया है। इस तोप की सफाई हर साल दो बार की जाती है, और सैलानी इसे सुबह-शाम देखने आते हैं।

(2) तोप से मिलने वाली सीख: यह तोप दर्शकों को यह महत्वपूर्ण संदेश देती है कि किसी भी चीज की स्थिरता नहीं होती। एक समय था जब यह तोप शक्तिशाली शूरवीरों को पराजित करती थी, लेकिन अब यह निस्तेज और मौन है। तोप की यह स्थिति हमें यह सिखाती है कि चाहे कोई भी वस्तु कितनी भी बड़ी क्यों न हो, समय के साथ उसकी महत्ता घट सकती है।

प्रश्न 4. कविता में तोप को दो बार चमकाने की बात की गई है। ये दो अवसर कौन-से होंगे ?

उत्तर 4- (i) तोप की सफाई- तोप की सफाई वर्ष में दो बार की जाती है, लेकिन इसे कब चमकाया जाता है, यह कविता में स्पष्ट रूप से नहीं बताया गया है। कविता में यह उल्लेख है कि जब बाग की सफाई की जाती है, तब तोप की सफाई भी होती है।

(ii) तोप चमकाने का समय- बाग की सफाई दो प्रमुख राष्ट्रीय पर्वों पर होती है: गणतंत्र दिवस और स्वतंत्रता दिवस। इन अवसरों पर बाग की सफाई के साथ-साथ तोप को भी चमकाया जाता है।

ख) निम्नलिखित का भाव स्पष्ट कीजिए-

1. अब तो बहरहाल

छोटे लड़कों की घुडसवारी से अगर यह फारिग हो

तो उसके ऊपर बैठकर

चिड़ियाँ ही अकसर करती हैं गपशप ।

उत्तर 1- इस वाक्य का भावार्थ है कि समय के साथ, छोटी-छोटी बातों पर भी विचार किया जाता है, और कभी-कभी यह इतनी मामूली हो जाती है कि चिड़ियाँ तक उन पर गपशप करने लगती हैं। यह वाक्य किसी घटना या विषय की उपेक्षा और उसकी तुच्छता को व्यक्त करता है। इसे जीवन की छोटी और हल्की घटनाओं के महत्वहीन होने के प्रतीक के रूप में देखा जा सकता है।

2. वे बताती हैं कि दरअसल कितनी भी बड़ी हो तोप

एक दिन तो होना ही है उसका मुँह बंद ।

उत्तर 2- इस वाक्य का भावार्थ है कि किसी भी शक्तिशाली और प्रभावशाली चीज का अंत एक दिन अवश्य होता है। भले ही वह तोप जैसी ताकतवर क्यों न हो, उसका भी एक न एक दिन खत्म होना तय है। यह वाक्य जीवन के सत्य को दर्शाता है, जहां हर चीज की उम्र सीमित होती है।

Ncert Solutions of पाठ 5 वॉरेन डंगवाल (तोप)

3. उड़ा दिए थे मैंने

अच्छे-अच्छे सूरमाओं के धज्जे ।

उत्तर 3- इसका भावार्थ है कि वक्त के साथ, मैंने उन महान और प्रभावशाली व्यक्तियों को भी नष्ट कर दिया था जिनकी पहचान थी। यह वाक्य किसी की शक्ति और प्रतिष्ठा को तोड़ने या उसे नष्ट करने की स्थिति को व्यक्त करता है, जहां किसी को अपने प्रभाव से अन्य शक्तिशाली व्यक्तियों को ध्वस्त कर दिया हो।

भाषा अध्ययन

1. कवि ने इस कविता में शब्दों का सटीक और बेहतरीन प्रयोग किया है। इसकी एक पंक्ति देखिए 'धर रखी गई है यह 1857 की तोप'। 'घर' शब्द देशज हैं और कवि ने इसका कई अर्थों में प्रयोग किया है। 'रखना', 'धरोहर' और 'संचय' के रूप में।

उत्तर 1: यह पंक्ति वास्तव में कवि के शब्दों के सटीक और बहुआयामी प्रयोग को प्रदर्शित करती है। "धर रखी गई है यह 1857 की तोप" में 'धर' शब्द का प्रयोग कवि ने सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संदर्भ में किया है।

1. 'रखना' का अर्थ है रखना या संग्रह करना, जिससे यह संकेत मिलता है कि 1857 की तोप एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक वस्तु के रूप में सुरक्षित रखी गई है।
2. 'धरोहर' का संकेत यह है कि यह तोप इतिहास और स्वतंत्रता संग्राम की धरोहर है, जिसे आने वाली पीढ़ियों के लिए संरक्षित किया गया है।
3. 'संचय' का अर्थ होता है संकलन या संग्रह, जिससे यह दर्शाया जाता है कि यह तोप एक महत्वपूर्ण ऐतिहासिक संपत्ति के रूप में संचित की गई है, जो देश के इतिहास और संघर्ष का प्रतीक है।

कवि ने इस एक पंक्ति में शब्दों के बहुआयामी प्रयोग से गहरे ऐतिहासिक और सांस्कृतिक भावनाओं को व्यक्त किया है।

2. 'तोप' शीर्षक कविता का भाव समझते हुए इसका गद्य में रूपांतरण कीजिए।

उत्तर 2- 'तोप' शीर्षक कविता का भाव समझते हुए गद्य में रूपांतरण इस प्रकार किया जा सकता है:

कविता में कवि ने तोप के माध्यम से युद्ध और हिंसा के विनाशकारी प्रभावों की ओर संकेत किया है। तोप, जिसे अक्सर शक्ति और प्रभुत्व का प्रतीक माना जाता है, वह इस कविता में मानवता के प्रति अत्याचार और नफरत का प्रतीक बनकर उभरती है। कवि ने तोप की आवाज़ को क्रूरता और असंवेदनशीलता की आवाज़ बताया है, जो जीवन को नष्ट करने के लिए निरंतर गूंजती रहती है।

तोप के शोर में बर्बादी और मृत्यु का संदेश छिपा होता है, जो मानवता को हानि पहुंचाता है। कवि यह बताने की कोशिश करते हैं कि युद्ध के दौरान जब तोपें दागी जाती हैं, तो वे न केवल भूमि को ही क्षतिग्रस्त करती हैं, बल्कि मनुष्यता को भी घायल कर देती हैं। इस कविता में तोप के शोर से उत्पन्न हुई दर्दनाक स्थितियों का

Ncert Solutions of पाठ 5 बोरन डंगवाल (तोप)

चित्रण किया गया है, और यह प्रेरणा भी दी जाती है कि हमें इस प्रकार के विनाशकारी यंत्रों से दूरी बनानी चाहिए, ताकि जीवन और शांति की स्थापना हो सके।

यह गद्य रूपांतरण कविता के भावनात्मक और चिंतनशील पहलुओं को गहराई से व्यक्त करता है, और यह पाठक को हिंसा और युद्ध की असलियत से परिचित कराता है।

### योग्यता विस्तार

1. कविता रचना करते समय उपयुक्त शब्दों का चयन और उनका सही स्थान पर प्रयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है। कविता लिखने का प्रयास कीजिए और इसे समझिए ।

उत्तर 1- कविता रचना करते समय शब्दों का चयन और उनका सही स्थान पर प्रयोग वास्तव में अत्यंत महत्वपूर्ण होता है, क्योंकि शब्दों का सही चुनाव कविता की भावनाओं को सटीक रूप से प्रकट करने में मदद करता है। प्रत्येक शब्द और उनका संयोजन कविता के मूड और संदेश को स्पष्ट करता है। शब्दों का चयन और उनका संयोजन इस प्रकार किया जाता है कि वे सुनने वाले के दिल और दिमाग पर गहरा प्रभाव डालें। यहाँ एक उदाहरण प्रस्तुत कर रहा हूँ, जिसमें शब्दों का चयन और स्थान का ध्यान रखा गया है:

कविता: "प्रकृति की पुकार"

धरती ने बिखेरी हरीतिमा,  
आकाश में उड़ते हैं रंगीले सपने।  
पानी की धारा में गूंजे संगीत,  
हर पक्षी गा रहा है जीवन की कविता।

हवाएँ महकती हैं मनमोहक फूलों की,  
किरणें आ रही हैं सूरज की मुस्कान बन।  
प्रकृति का संदेश है हमें,  
कभी न थमनेवाली, कभी न रुकनेवाली यात्रा में साथ चलो।

समझाइए:

- शब्द चयन: "हरीतिमा", "संगीत", "महकती", "किरणें", "सूरज की मुस्कान" जैसे शब्दों का चयन प्रकृति के सौंदर्य को उजागर करने के लिए किया गया है। ये शब्द कविता को न केवल सुंदर बल्कि जीवंत भी बनाते हैं।
- स्थान पर प्रयोग: प्रत्येक शब्द का स्थान कविता के भावों के अनुरूप है। जैसे "धरती ने बिखेरी हरीतिमा" में "बिखेरी" शब्द, पृथ्वी के खुलेपन और विस्तार को दर्शाता है, जबकि "सूरज की मुस्कान" में सूरज की रोशनी को मानवीय रूप में प्रस्तुत किया गया है, जिससे कविता में एक भावुकता और सौम्यता का एहसास होता है।

Ncert Solutions of पाठ 5 बीरेन डंगवाल (तोप)

कविता में यह सब इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि शब्दों का सही प्रयोग कविता के अर्थ को स्पष्ट करता है और पाठक पर गहरा प्रभाव छोड़ता है।

2. तेज़ी से बढ़ती जनसंख्या और घनी आबादी वाली जगहों के आस-पास पार्कों का होना क्यों जरूरी है? कक्षा में परिचर्चा कीजिए ।

उत्तर 2- तेज़ी से बढ़ती जनसंख्या और घनी आबादी वाली जगहों के आस-पास पार्कों का होना कई कारणों से जरूरी है। कक्षा में इस विषय पर चर्चा करते समय निम्नलिखित बिंदुओं पर ध्यान दिया जा सकता है:

1. स्वास्थ्य लाभ: पार्क शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होते हैं। घनी आबादी वाले क्षेत्रों में लोग अक्सर शारीरिक गतिविधियों के लिए स्थान की कमी महसूस करते हैं। पार्क में लोग चलने, दौड़ने, योग करने और अन्य खेलों का अभ्यास कर सकते हैं, जिससे उनका शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर रहता है।
2. प्राकृतिक सौंदर्य और ताजगी: शहरों में प्रदूषण और कंक्रीट की दीवारों के बीच लोग प्राकृतिक सौंदर्य की कमी महसूस करते हैं। पार्कों के जरिए लोग प्रकृति के करीब जा सकते हैं और ताजगी का अनुभव कर सकते हैं, जो मानसिक शांति प्रदान करता है।
3. सामाजिक संबंधों को बढ़ावा: पार्कों में लोग मिलते हैं और आपस में संवाद करते हैं, जिससे सामाजिक संबंध मजबूत होते हैं। यह समुदाय के बीच एकता और सहयोग को बढ़ावा देता है।
4. वायु गुणवत्ता में सुधार: पार्कों में पेड़-पौधे होते हैं, जो वायु को शुद्ध करते हैं और प्रदूषण को कम करते हैं। यह घनी आबादी वाले क्षेत्रों में वायु की गुणवत्ता को सुधारने में मदद करता है।
5. शांति और विश्राम का स्थान: शहरों की हलचल और शोर से दूर एक शांतिपूर्ण स्थान के रूप में पार्क कार्य करते हैं। यह तनाव और चिंता को कम करने के लिए एक अच्छा तरीका हो सकता है।
6. बच्चों के लिए खेल और विकास का स्थान: बच्चों के लिए पार्क खेल और शारीरिक गतिविधियों के लिए आदर्श स्थान होते हैं। यह बच्चों को मानसिक और शारीरिक रूप से स्वस्थ रखने में मदद करता है।

इस प्रकार, घनी आबादी वाले क्षेत्रों में पार्कों की उपस्थिति न केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि यह मानसिक शांति, सामाजिक संबंधों, और पर्यावरणीय गुणवत्ता में भी सुधार करती है।

परियोजना कार्य

1. स्वतंत्रता सेनानियों की गाथा संबंधी पुस्तक को पुस्तकालय से प्राप्त कीजिए और पढ़कर कक्षा में सुनाइए ।

उत्तर 1- (छात्र स्वयं करें।)

Ncert Solutions of पाठ 5 वीरेन डंगवाल (तोप)

"स्वतंत्रता सेनानियों की गाथा" पर आधारित पुस्तकें भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के नायकों और उनके योगदानों की ऐतिहासिक गाथाओं को प्रस्तुत करती हैं। आप पुस्तकालय से निम्नलिखित विषयों पर आधारित पुस्तकें प्राप्त कर सकते हैं:

1. "भारत का स्वतंत्रता संग्राम" - यह पुस्तक स्वतंत्रता संग्राम के प्रमुख घटनाओं और सेनानियों के बारे में विस्तार से बताती है।
2. "सुभाष चंद्र बोस: एक नायक की कहानी" - सुभाष चंद्र बोस के जीवन और संघर्षों पर आधारित पुस्तक।
3. "भगत सिंह: शहादत की गाथा" - भगत सिंह की शहादत और उनके विचारों पर आधारित पुस्तक।
4. "लक्ष्मी बाई की गाथा" - रानी लक्ष्मी बाई के साहसिक संघर्ष पर आधारित पुस्तक।
5. "महात्मा गांधी: अहिंसा और सत्य का संघर्ष" - महात्मा गांधी की विचारधारा और उनके संघर्ष पर पुस्तक।

इन किताबों को पुस्तकालय से प्राप्त करके आप स्वतंत्रता सेनानियों की गाथाओं के बारे में जान सकते हैं। आप इन्हें पढ़कर कक्षा में उनके साहस, बलिदान और स्वतंत्रता संग्राम में योगदान के बारे में सुनाकर सभी को प्रेरित कर सकते हैं।

पाठ 5 वीरेन डंगवाल (तोप) पर आधारित अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न-उत्तर, भावार्थ

वीरेन डंगवाल की कविता (तोप)

तोप

कंपनी बाग के मुहाने पर  
धर रखी गई है यह 1857 की तोप।  
इसकी होती है बड़ी सम्हाल,  
विरासत में मिले कंपनी बाग की तरह  
साल में चमकाई जाती है दो बार।

सुबह-शाम कंपनी बाग में आते हैं बहुत से सैलानी,  
उन्हें बताती है यह तोप  
कि मैं बड़ी जबर,  
उड़ा दिए थे मैंने  
अच्छे-अच्छे सूरमाओं के धज्जे  
अपने समय में।

Ncert Solutions of पाठ 5 वीरेन डंगवाल (तोप)

अब तो बहरहाल,  
छोटे लड़कों की घुड़सवारी से अगर यह फारिग हो,  
तो उसके ऊपर बैठकर  
चिड़ियाँ ही अकसर करती हैं गपशप।  
कभी-कभी शैतानी में वे इसके भीतर भी घुस जाती हैं,  
खास कर गौरैयाँ।

वे बताती हैं कि दरअसल कितनी भी बड़ी हो तोप,  
एक दिन तो होना ही है उसका मुँह बंद।

वीरेन डंगवाल की कविता (तोप) का भावार्थ

कविता "तोप" का भावार्थ - वीरेन डंगवाल:

वीरेन डंगवाल की कविता "तोप" प्रतीकात्मक शैली में एक ऐतिहासिक तोप के माध्यम से समय की विडंबना और सत्ता की नश्वरता को दर्शाती है। यह तोप 1857 के स्वतंत्रता संग्राम की याद दिलाती है और कंपनी बाग के प्रवेश द्वार पर विराजमान है। इसका संरक्षण एक ऐतिहासिक विरासत की तरह किया जाता है - साल में दो बार चमकाई जाती है, जैसे अतीत की किसी वीरता को जीवित रखा जा रहा हो।

कविता बताती है कि यह तोप कभी अत्यंत शक्तिशाली थी। इसने अपने समय में कई वीर योद्धाओं को मार गिराया था। लेकिन अब वही तोप निष्क्रिय पड़ी है - उसकी ताकत, उसका आतंक केवल इतिहास बनकर रह गया है।

अब उसकी उपयोगिता सैलानियों की यादों और बच्चों के खेल तक सीमित हो गई है। बच्चे उस पर घुड़सवारी करते हैं और चिड़ियाँ उस पर बैठकर चहचहाती हैं या भीतर तक घुस जाती हैं। विशेष रूप से गौरैयाँ का तो इसमें आना-जाना लगा रहता है।

अंततः, चिड़ियाँ जैसे यह संकेत देती हैं कि चाहे कोई वस्तु या सत्ता कितनी भी बड़ी और शक्तिशाली क्यों न हो, एक दिन उसका मुँह बंद होना ही है - यानी उसका अंत तय है। यह कविता सत्ता, समय और इतिहास की नश्वरता को दर्शाती है और यह सिखाती है कि जो कभी महान और डरावना था, वह भी एक दिन साधारण और निरीह बन जाता है।

मुख्य संदेश:

कविता "तोप" हमें यह समझाने की कोशिश करती है कि समय के साथ हर सत्ता, शक्ति और अस्त्र-शस्त्र का असर कम हो जाता है, और अंततः वह केवल एक इतिहास का हिस्सा बनकर रह जाता है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न उत्तर

प्रश्न 1. वीरेन डंगवाल की कविता 'तोप' में विरासत में मिली वस्तुओं की देखभाल का क्या महत्व है?

Ncert Solutions of पाठ 5 वीरेन डंगवाल (तोप)

उत्तर: वीरेन डंगवाल की कविता 'तोप' में विरासत में मिली वस्तुओं की देखभाल का महत्व इस बात में निहित है कि ये वस्तुएँ हमारे अतीत की गवाही देती हैं। कंपनी बाग में रखी 1857 की तोप को साल में दो बार चमकाया जाता है, जो यह दर्शाता है कि हम अपने इतिहास और पूर्वजों की स्मृतियों को संजोकर रखते हैं। यह देखभाल हमें अपने अतीत से जुड़ने और उससे सीखने का अवसर प्रदान करती है।

प्रश्न 2. 'तोप' कविता में वीरेन डंगवाल ने तोप की वर्तमान स्थिति का वर्णन कैसे किया है?

उत्तर: वीरेन डंगवाल ने 'तोप' कविता में तोप की वर्तमान स्थिति को विडंबनापूर्ण ढंग से चित्रित किया है। जो तोप कभी भयानक हथियार थी, आज कंपनी बाग में सजावटी वस्तु बनकर रह गई है। बच्चे उस पर खेलते हैं, चिड़ियाँ उस पर बैठती हैं। कवि दिखाते हैं कि समय के साथ हर शक्तिशाली वस्तु निष्प्रभावी हो जाती है।

प्रश्न 3. कविता में तोप का प्रतीकात्मक महत्व क्या है?

उत्तर: कविता में तोप एक प्रतीक के रूप में प्रस्तुत की गई है, जो शक्ति और अत्याचार का प्रतिनिधित्व करती है। वीरेन डंगवाल ने इसे एक ऐसे यंत्र के रूप में दिखाया है, जिसने अपने समय में वीरों को मारा, लेकिन अब वह निष्क्रिय है। यह प्रतीक हमें यह सिखाता है कि अत्याचार और शक्ति का अंत निश्चित है।

प्रश्न 4. 'तोप' कविता में चिड़ियों का उल्लेख किस उद्देश्य से किया गया है?

उत्तर: कविता में चिड़ियों का उल्लेख तोप की वर्तमान स्थिति को दर्शाने के लिए किया गया है। वीरेन डंगवाल ने दिखाया है कि अब चिड़ियाँ तोप पर बैठकर गपशप करती हैं और कभी-कभी उसके अंदर भी घुस जाती हैं। यह चित्रण बताता है कि समय के साथ शक्तिशाली वस्तुएँ भी सामान्य और निरर्थक हो जाती हैं।

प्रश्न 5. वीरेन डंगवाल की कविता 'तोप' से हमें क्या सीख मिलती है?

उत्तर: 'तोप' कविता हमें यह सिखाती है कि कोई भी शक्ति स्थायी नहीं होती। वीरेन डंगवाल ने दिखाया है कि कभी शक्तिशाली रही तोप अब निष्क्रिय है। यह हमें यह समझने में मदद करता है कि समय के साथ सब कुछ बदलता है और हमें अपने इतिहास से सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए।

प्रश्न 6. 'तोप' कविता में 'विरासत' शब्द का क्या महत्व है?

उत्तर: वीरेन डंगवाल की कविता 'तोप' में 'विरासत' शब्द गहरा प्रतीकात्मक अर्थ रखता है। यह शब्द ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन की क्रूर विरासत को दर्शाता है जो अब केवल एक दिखावटी स्मृति बनकर रह गई है। कवि इसके माध्यम से यह बताते हैं कि हमें ऐसी विरासत से सचेत रहने की आवश्यकता है जो अतीत की गलतियों को दोहराने का कारण बन सकती है।

प्रश्न 7. कविता में तोप को साल में दो बार चमकाने का क्या अर्थ है?

उत्तर: तोप को साल में दो बार चमकाने का अर्थ है कि हम अपने इतिहास और विरासत को महत्व देते हैं। वीरेन डंगवाल ने यह दिखाया है कि भले ही तोप अब निष्क्रिय हो, लेकिन हम उसे संजोकर रखते हैं ताकि आने वाली पीढ़ियाँ हमारे अतीत से परिचित हो सकें।

Ncert Solutions of पाठ 5 वीरेन डंगवाल (तोप)

प्रश्न 8. 'तोप' कविता में बच्चों की घुड़सवारी का उल्लेख किस उद्देश्य से किया गया है?

उत्तर: कविता में बच्चों की घुड़सवारी का उल्लेख तोप की वर्तमान स्थिति को दर्शाने के लिए किया गया है। वीरेन डंगवाल ने दिखाया है कि अब तोप एक खेल का साधन बन गई है, जो यह बताता है कि समय के साथ शक्तिशाली वस्तुएँ भी सामान्य हो जाती हैं।

प्रश्न 9. कविता में 'तोप' का मुँह बंद होने का क्या संकेत है?

उत्तर: 'तोप' का मुँह बंद होने का संकेत है कि अब वह निष्क्रिय हो गई है। वीरेन डंगवाल ने यह दिखाया है कि समय के साथ शक्तिशाली वस्तुएँ भी अपनी उपयोगिता खो देती हैं और उनका अंत निश्चित होता है।

प्रश्न 10. वीरेन डंगवाल की कविता 'तोप' में इतिहास और वर्तमान का संबंध कैसे दर्शाया गया है?

उत्तर: कविता में इतिहास और वर्तमान का संबंध तोप के माध्यम से दर्शाया गया है। वीरेन डंगवाल ने दिखाया है कि कैसे एक समय में शक्तिशाली रही तोप अब एक निष्क्रिय वस्तु बन गई है। यह हमें यह समझने में मदद करता है कि समय के साथ सब कुछ बदलता है और हमें अपने इतिहास से सीख लेकर वर्तमान में सजग रहना चाहिए।

प्रश्न 11. 'तोप' कविता में चिड़ियों की गपशप का क्या प्रतीकात्मक अर्थ है?

उत्तर: कविता में चिड़ियों की गपशप तोप की निष्क्रियता और समय के परिवर्तन का प्रतीक है। वीरेन डंगवाल ने यह दिखाया है कि कैसे अब तोप पर चिड़ियाँ बैठकर गपशप करती हैं, जो यह दर्शाता है कि समय के साथ शक्तिशाली वस्तुएँ भी सामान्य हो जाती हैं।

प्रश्न 12. वीरेन डंगवाल की कविता 'तोप' में 'कंपनी बाग' का क्या महत्व है?

उत्तर: 'कंपनी बाग' कविता में एक ऐतिहासिक स्थान के रूप में प्रस्तुत किया गया है। वीरेन डंगवाल ने दिखाया है कि कैसे यह बाग और उसमें रखी तोप हमारी विरासत का हिस्सा हैं, जो हमें हमारे अतीत की याद दिलाते हैं और उससे सीखने की प्रेरणा देते हैं।

प्रश्न 13. 'तोप' कविता में 'अच्छे-अच्छे सूरमाओं के धज्जे उड़ाने' का क्या अर्थ है?

उत्तर: वीरेन डंगवाल की 'तोप' कविता में 'अच्छे-अच्छे सूरमाओं के धज्जे उड़ाने' का अर्थ है कि यह तोप 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों द्वारा भारतीय वीर क्रांतिकारियों को निर्ममता से मारने के लिए इस्तेमाल की गई थी। 'सूरमा' शब्द से तात्पर्य बहादुर स्वतंत्रता सेनानियों से है, जिन्हें इस तोप ने शहीद कर दिया था। यह पंक्ति ब्रिटिश अत्याचार की क्रूरता को दर्शाती है।

प्रश्न 14. कविता में तोप के माध्यम से वीरेन डंगवाल ने किस सामाजिक संदेश को प्रस्तुत किया है?

उत्तर: वीरेन डंगवाल ने तोप के माध्यम से यह संदेश दिया है कि अत्याचार और शक्ति का अंत निश्चित है। उन्होंने दिखाया है कि कैसे एक समय में शक्तिशाली रही तोप अब निष्क्रिय हो गई है, जो यह दर्शाता है कि समय के साथ सब कुछ बदलता है और हमें अपने इतिहास से सीख लेकर वर्तमान में सजग रहना चाहिए।

Ncert Solutions of पाठ 5 वीरेन डंगवाल (तोप)

प्रश्न 15. 'तोप' कविता में 'धर रखी गई है यह 1857 की तोप' पंक्ति का क्या महत्व है?

उत्तर: 'धर रखी गई है यह 1857 की तोप' पंक्ति का गहरा ऐतिहासिक महत्व है। वीरेन डंगवाल ने 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की याद दिलाकर ब्रिटिश उपनिवेशवाद की क्रूरता को चित्रित किया है। यह पंक्ति तोप को एक ऐतिहासिक धरोहर के रूप में प्रस्तुत करती है, जो अतीत की हिंसा और वर्तमान की निष्क्रियता के बीच सेतु का काम करती है।

प्रश्न 16. कविता में तोप की वर्तमान स्थिति का वर्णन किस प्रकार किया गया है?

उत्तर: कविता में तोप की वर्तमान स्थिति को एक निष्क्रिय और उपेक्षित वस्तु के रूप में चित्रित किया गया है। वीरेन डंगवाल ने दिखाया है कि कैसे अब तोप पर बच्चे खेलते हैं और चिड़ियाँ गपशप करती हैं, जो यह दर्शाता है कि समय के साथ शक्तिशाली वस्तुएँ भी सामान्य हो जाती हैं।

प्रश्न 17. 'तोप' कविता में 'विरासत में मिले कंपनी बाग' का क्या संकेत है?

उत्तर: वीरेन डंगवाल की 'तोप' कविता में 'विरासत में मिले कंपनी बाग' का संकेत औपनिवेशिक विरासत की विडंबना से है। यह बाग ब्रिटिश शासन की देन है जो अब भारतीयों के पास स्मृति के रूप में है। कवि इसके माध्यम से उस विरासत को दर्शाते हैं जो हमें अतीत की क्रूर यादों के साथ विरासत में मिली है।

प्रश्न 18. कविता में तोप को दो बार चमकाने का उल्लेख किस उद्देश्य से किया गया है?

उत्तर: वीरेन डंगवाल ने तोप को साल में दो बार चमकाने का उल्लेख करके औपचारिक स्मरण और वास्तविक उपेक्षा के विरोधाभास को दर्शाया है। यह प्रतीक है कि हम इतिहास की घटनाओं को केवल दिखावटी तरीके से याद करते हैं, वास्तविक सबक नहीं लेते। तोप की यह चमक उसकी खोखली विरासत को उजागर करती है।

प्रश्न 19. कविता में '1857 की तोप' का उल्लेख क्यों किया गया है?

उत्तर: वीरेन डंगवाल ने 1857 की तोप का उल्लेख करके भारत के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की ऐतिहासिक घटना को याद दिलाया है। यह तोप ब्रिटिश साम्राज्यवाद की क्रूरता का प्रतीक है जिसने भारतीय क्रांतिकारियों का दमन किया था। कवि ने इसके माध्यम से औपनिवेशिक शासन की निरंकुशता को दर्शाया है।

प्रश्न 20. 'साल में चमकाई जाती है दो बार' पंक्ति का क्या आशय है?

उत्तर: इस पंक्ति में वीरेन डंगवाल ने तोप के प्रति औपचारिक सम्मान और ढोंग को उजागर किया है। साल में दो बार चमकाने का मतलब है कि हम इतिहास की घटनाओं को केवल औपचारिकता से याद करते हैं, वास्तविक सबक नहीं लेते। यह एक प्रकार की दिखावटी यादगारी है।

प्रश्न 21. कविता में 'बड़ी जबर' शब्द का प्रयोग किस संदर्भ में हुआ है?

उत्तर: 'बड़ी जबर' शब्द के माध्यम से वीरेन डंगवाल ने तोप की पूर्व शक्ति और आतंक को दर्शाया है। यह शब्द तोप के उस रूप को बताता है जब वह अंग्रेजों के हाथों में भारतीयों के दमन का हथियार थी। कवि ने इसके माध्यम से साम्राज्यवादी शक्ति के दमनकारी चरित्र को उजागर किया है।

Ncert Solutions of पाठ 5 वीरेन डंगवाल (तोप)

प्रश्न 22. 'अच्छे-अच्छे सूरमाओं के धज्जे उड़ा दिए' से क्या तात्पर्य है?

उत्तर: इस पंक्ति में वीरेन डंगवाल ने तोप के माध्यम से अंग्रेजों द्वारा भारतीय वीर स्वतंत्रता सेनानियों के क्रूर दमन को चित्रित किया है। 'सूरमा' शब्द से तात्पर्य उन बहादुर क्रांतिकारियों से है जो देश की आजादी के लिए लड़े थे। 'धज्जे उड़ाना' मुहावरे से उनकी बर्बर हत्या का वर्णन हुआ है।

प्रश्न 23. 'छोटे लड़कों की घुड़सवारी' से कवि क्या कहना चाहते हैं?

उत्तर: वीरेन डंगवाल इस प्रतीक के माध्यम से तोप की वर्तमान निरर्थकता को दर्शाते हैं। जो तोप कभी मौत का सामान बरसाती थी, आज बच्चों का खिलौना बन गई है। यह समय के साथ शक्ति के परिवर्तन को दिखाता है। बच्चों का उस पर खेलना यह बताता है कि अब उसका भय समाप्त हो चुका है।

प्रश्न 24. 'चिड़ियाँ ही अकसर करती हैं गपशप' पंक्ति की व्याख्या कीजिए।

उत्तर: वीरेन डंगवाल ने इस पंक्ति में तोप की वर्तमान दशा का मार्मिक चित्रण किया है। चिड़ियों का गपशप करना दर्शाता है कि तोप अब पूरी तरह निष्क्रिय हो चुकी है। यह प्रकृति की विजय और मानवीय हिंसा की निस्सारता को दर्शाता है। चिड़ियों का तोप पर बैठना शांति की विजय का प्रतीक है।

प्रश्न 25. 'गौरैयाँ का विशेष उल्लेख क्यों किया गया है?

उत्तर: वीरेन डंगवाल ने गौरैयाँ का विशेष उल्लेख करके भारतीय जनजीवन की सामान्य छवि को चित्रित किया है। गौरैया भारतीय परिवेश की सर्वव्यापी चिड़िया है जो घर-आँगन का अभिन्न अंग है। कवि ने इसके माध्यम से तोप के साथ जनसामान्य के नए संबंध को दर्शाया है।

प्रश्न 26. कविता का मुख्य प्रतीक क्या है और क्यों?

उत्तर: इस कविता में वीरेन डंगवाल ने तोप को मुख्य प्रतीक के रूप में चुना है। तोप साम्राज्यवादी शक्ति, हिंसा और दमन का प्रतीक है। कवि ने इसके माध्यम से यह दिखाया है कि कैसे समय के साथ हर शक्तिशाली वस्तु निष्क्रिय हो जाती है। तोप का प्रतीक आज के सत्ता संबंधों पर भी लागू होता है।

प्रश्न 27. 'एक दिन तो होना ही है उसका मुँह बंद' पंक्ति का दार्शनिक अर्थ क्या है?

उत्तर: वीरेन डंगवाल की यह पंक्ति एक गहन दार्शनिक सत्य व्यक्त करती है। इसका अर्थ है कि हिंसा और अत्याचार की कोई भी शक्ति स्थायी नहीं होती। समय के साथ उसका अंत निश्चित है। यह पंक्ति मानव इतिहास के एक सार्वभौमिक सत्य को व्यक्त करती है - हर तानाशाही का एक दिन पतन होता है।

प्रश्न 28. वीरेन डंगवाल की इस कविता का सामाजिक महत्व क्या है?

उत्तर: वीरेन डंगवाल की यह कविता समाज को एक महत्वपूर्ण संदेश देती है। यह हमें सिखाती है कि हमें अत्याचारी शक्तियों से भयभीत नहीं होना चाहिए, क्योंकि उनका अंत निश्चित है। कविता ऐतिहासिक सबक के रूप में भी महत्वपूर्ण है जो हमें सतर्क रहने की प्रेरणा देती है। यह सामान्य जन को सशक्त बनाने का काम करती है।

लघु उत्तरीय प्रश्न उत्तर

प्रश्न 1. वीरेन डंगवाल कौन थे और उनकी कविता 'तोप' का मुख्य विषय क्या है?

उत्तर: वीरेन डंगवाल (1947-2015) हिंदी के प्रसिद्ध कवि थे, जिनकी रचनाएँ सामाजिक यथार्थ और इतिहास को प्रतीकात्मक ढंग से प्रस्तुत करती हैं। 'तोप' कविता में 1857 के स्वतंत्रता संग्राम की एक तोप को केन्द्र बनाकर बताया गया है कि समय के साथ हर शक्तिशाली वस्तु की प्रासंगिकता समाप्त हो जाती है।

प्रश्न 2. कविता में तोप कहाँ रखी हुई है और उसकी देखभाल कैसे की जाती है?

उत्तर: तोप को 'कंपनी बाग' के मुहाने पर प्रदर्शन के लिए रखा गया है। इसे विरासत की तरह संभाला जाता है और साल में दो बार चमकाया जाता है, जैसे यह एक ऐतिहासिक धरोहर हो।

प्रश्न 3. तोप अपने समय में क्या करती थी और अब उसकी क्या स्थिति है?

उत्तर: अपने समय में तोप बहुत शक्तिशाली थी—इसने कई वीर स्वतंत्रता सेनानियों को मार डाला था। लेकिन अब यह निष्क्रिय है; बच्चे इस पर खेलते हैं और चिड़ियाँ इस पर बैठकर चहचहाती हैं।

प्रश्न 4. 'तोप' कविता में चिड़ियों का क्या महत्व है?

उत्तर: चिड़ियाँ (खासकर गौरैयाँ) तोप की निरर्थकता को दर्शाती हैं। वे उस पर बैठकर गपशप करती हैं, यहाँ तक कि कभी-कभी उसके अंदर भी घुस जाती हैं। यह दिखाता है कि तोप अब डरावनी नहीं, बल्कि एक साधारण वस्तु बन चुकी है।

प्रश्न 5. कविता का अंत क्या संदेश देता है?

उत्तर: कविता का अंत पंक्ति—"कितनी भी बड़ी हो तोप, एक दिन उसका मुँह बंद होना ही है"—बताती है कि हर शक्तिशाली वस्तु या सत्ता का अंत निश्चित है। यह इतिहास और सत्ता की नश्वरता को दर्शाता है।

प्रश्न 6. वीरेन डंगवाल ने तोप को किस घटना से जोड़ा है?

उत्तर: इस तोप को 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम से जोड़ा गया है, जब अंग्रेजों ने भारतीय क्रांतिकारियों को कुचलने के लिए ऐसी तोपों का उपयोग किया था।

प्रश्न 7. 'कंपनी बाग' का क्या महत्व है?

उत्तर: कंपनी बाग ईस्ट इंडिया कंपनी के समय का एक उद्यान है, जो ब्रिटिश शासन का प्रतीक है। तोप को यहाँ रखकर उसके इतिहास और उपनिवेशवाद की विरासत को दर्शाया गया है।

प्रश्न 8. तोप अब सैलानियों को क्या बताती है?

उत्तर: तोप सैलानियों को अपने गौरवशाली (क्रूर) इतिहास के बारे में बताती है—कि वह कभी कितनी खतरनाक थी और कैसे उसने "अच्छे-अच्छे सूरमाओं के धज्जे उड़ा दिए थे।"

Ncert Solutions of पाठ 5 वीरेन डंगवाल (तोप)

प्रश्न 9. वीरेन डंगवाल की काव्य-शैली की क्या विशेषता है?

उत्तर: वीरेन डंगवाल की कविताएँ साधारण जीवन की छोटी-छोटी चीजों को गहराई से चित्रित करती हैं। वे प्रतीकों के माध्यम से बड़े सामाजिक और ऐतिहासिक सत्य उजागर करते हैं।

प्रश्न 10. 'तोप' कविता में समय के बदलाव को कैसे दिखाया गया है?

उत्तर: पहले तोप एक हिंसक हथियार थी, लेकिन अब वह केवल एक प्रदर्शनी वस्तु है। यह दिखाता है कि समय के साथ शक्ति का स्वरूप बदल जाता है।

प्रश्न 11: कविता 'तोप' में किस विरासत का उल्लेख है?

उत्तर: कविता में 1857 की तोप का उल्लेख है, जो कंपनी बाग में विरासत के रूप में रखी गई है। यह ऐतिहासिक धरोहर हमारी आजादी की लड़ाई की याद दिलाती है।

प्रश्न 12: तोप की वर्तमान स्थिति कैसी बताई गई है?

उत्तर: अब तोप एक निष्क्रिय वस्तु है, जिस पर बच्चे चढ़ते हैं और चिड़ियाँ गपशप करती हैं। यह अब केवल एक शो पीस बनकर रह गई है।

प्रश्न 13: तोप को साल में दो बार क्यों चमकाया जाता है?

उत्तर: तोप को साल में दो बार चमकाया जाता है ताकि वह साफ-सुथरी और आकर्षक बनी रहे। यह हमारे इतिहास को सम्मान देने का प्रतीक है।

प्रश्न 14: वीरेन डंगवाल ने तोप के मुँह को बंद बताकर क्या संकेत दिया?

उत्तर: कवि ने तोप के मुँह को बंद बताकर उसकी निष्क्रियता और शक्तिहीनता का संकेत दिया है। अब वह केवल देखने की वस्तु है।

प्रश्न 15: कविता में चिड़ियों की भूमिका क्या है?

उत्तर: चिड़ियाँ तोप पर बैठती और गपशप करती हैं, जिससे तोप की अब की स्थिति को हास्यपूर्ण और सामान्य बताया गया है।

प्रश्न 16: तोप को वीरों का संहारक क्यों कहा गया है?

उत्तर: पहले यह तोप युद्धों में वीरों को मारती थी, इसलिए इसे संहारक कहा गया है। यह शक्ति और हिंसा की प्रतीक थी।

प्रश्न 17: कविता में तोप किस काल की वस्तु है?

उत्तर: कविता में तोप 1857 की है, जो भारतीय स्वतंत्रता संग्राम से जुड़ी ऐतिहासिक वस्तु मानी जाती है।

प्रश्न 18: तोप बच्चों के लिए कैसे उपयोगी बन गई है?

उत्तर: अब तोप बच्चों की घुड़सवारी और खेल का साधन बन गई है। यह बदलाव समय के साथ उसकी उपयोगिता को दर्शाता है।

प्रश्न 19: तोप अब क्यों कोई डर नहीं पैदा करती?

उत्तर: क्योंकि वह अब चलती नहीं, केवल एक बगीचे में रखी धातु की वस्तु बन गई है। उसकी शक्ति समाप्त हो चुकी है।

प्रश्न 20: कविता 'तोप' का मुख्य संदेश क्या है?

उत्तर: कविता बताती है कि कोई भी शक्ति स्थायी नहीं होती। समय के साथ बड़ी से बड़ी ताकत भी साधारण हो जाती है।

प्रश्न 21: तोप अब इतिहास का प्रतीक क्यों मानी जाती है?

उत्तर: यह अब चलती नहीं, केवल इतिहास की याद दिलाती है। यह दर्शाती है कि शक्तियाँ समय के साथ कमजोर हो जाती हैं।

प्रश्न 22: वीरेन डंगवाल का कविता लिखने का उद्देश्य क्या लगता है?

उत्तर: कवि ने इस कविता में इतिहास, बदलाव और विरासत पर व्यंग्यात्मक दृष्टिकोण से प्रकाश डाला है।

प्रश्न 23: कविता में तोप का स्वरूप कैसा दर्शाया गया है?

उत्तर: कविता में तोप को एक निष्क्रिय, पुरानी, और उपेक्षित वस्तु के रूप में चित्रित किया गया है।

प्रश्न 24: कविता में कंपनी बाग का क्या महत्व है?

उत्तर: कंपनी बाग वह स्थान है जहाँ तोप रखी गई है। यह एक ऐतिहासिक स्थल और शहर की पहचान भी है।

प्रश्न 25: कविता में 'तोप' कौन-कौन से प्रतीक दर्शाती है?

उत्तर: 'तोप' शक्ति, हिंसा, इतिहास और उसके क्षय का प्रतीक है। यह अतीत की एक गवाही भी बन चुकी है।

प्रश्न 26: क्या कविता में हास्य का प्रयोग किया गया है?

उत्तर: हाँ, कविता में चिड़ियों की गपशप और बच्चों की घुड़सवारी जैसे चित्रों से हल्का हास्य उत्पन्न होता है।

प्रश्न 27: कविता में कौन सा यथार्थ उजागर हुआ है?

उत्तर: कविता बताती है कि समय सब बदल देता है। शक्तिशाली वस्तुएँ भी एक समय बाद अर्थहीन हो जाती हैं।

प्रश्न 28: तोप अब किसके लिए आकर्षण का केंद्र बन गई है?

उत्तर: अब तोप बच्चों और चिड़ियों के लिए आकर्षण का केंद्र है। इसका उपयोग केवल खेल और बैठने के लिए होता है।

प्रश्न 29: कविता का शिल्प कैसा है?

उत्तर: कविता सरल भाषा में लिखी गई है। इसमें व्यंग्य, प्रतीक और चित्रात्मकता का सुंदर उपयोग किया गया है।

प्रश्न 30: वीरेन डंगवाल की कविता में समय का प्रभाव कैसे दिखाया गया है?

उत्तर: उन्होंने दिखाया है कि समय के साथ शक्तिशाली वस्तुएँ भी बदल जाती हैं। तोप अब केवल एक बेजान चीज बनकर रह गई है।

बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs)

1. 'तोप' कविता के रचयिता कौन हैं?

- A) मंगलेश डबराल
- B) वीरेन डंगवाल
- C) केदारनाथ सिंह
- D) आलोक धन्वा

उत्तर: **B) वीरेन डंगवाल**

2. 'तोप' कविता में किस तोप का उल्लेख है?

- A) 1942 की
- B) 1911 की
- C) 1857 की
- D) 2001 की

उत्तर: **C) 1857 की**

3. तोप कहाँ रखी गई है?

- A) लाल किला
- B) कंपनी बाग
- C) झाँसी किला
- D) संसद भवन

उत्तर: **B) कंपनी बाग**

4. तोप को साल में कितनी बार चमकाया जाता है?

- A) एक बार
- B) चार बार
- C) दो बार
- D) हर दिन

उत्तर: **C) दो बार**

5. वर्तमान में तोप का प्रयोग किस कार्य के लिए होता है?

- A) युद्ध के लिए
- B) खेती के लिए
- C) सजावट और बच्चों के खेलने के लिए
- D) पर्व मनाने के लिए

उत्तर: **C) सजावट और बच्चों के खेलने के लिए**

Ncert Solutions of पाठ 5 वारन डगवाल (तोप)

6. कविता में कौन-सी चिड़ियाँ तोप पर बैठी हैं?

- A) कबूतर
- B) गौरये
- C) मोर
- D) तोते

उत्तर: B) गौरये

7. 'तोप' अब किसकी घुड़सवारी के काम आती है?

- A) सैनिकों की
- B) राजाओं की
- C) छोटे लड़कों की
- D) मंत्री की

उत्तर: C) छोटे लड़कों की

8. तोप का मुँह अब कैसा हो गया है?

- A) खुला
- B) बंद
- C) जलता हुआ
- D) चमकता हुआ

उत्तर: B) बंद

9. कविता में 'तोप' किसका प्रतीक है?

- A) शिक्षा का
- B) विनम्रता का
- C) शक्ति और दमन का
- D) संगीत का

उत्तर: C) शक्ति और दमन का

10. 'तोप' कविता किस कालखंड से संबंधित प्रतीक पर केंद्रित है?

- A) आधुनिक काल
- B) मुगल काल
- C) औपनिवेशिक काल
- D) भविष्य काल

उत्तर: C) औपनिवेशिक काल

11. 'तोप' अब किसका माध्यम बन गई है?

- A) ज्ञान का
- B) भय का

Ncert Solutions of पाठ 5 वीरेन डंगवाल (तोप)

C) खेल और मनोरंजन का

D) समाचार का

उत्तर: C) खेल और मनोरंजन का

12. कविता में तोप का व्यवहार कैसा बताया गया है?

A) क्रोधित

B) उत्साही

C) निष्क्रिय

D) चेतावनी देने वाला

उत्तर: C) निष्क्रिय

13. 'तोप' कविता में किस कंपनी का उल्लेख हुआ है?

A) ब्रिटिश एयरवेज

B) ईस्ट इंडिया कंपनी

C) डच कंपनी

D) अमेरिकन कंपनी

उत्तर: B) ईस्ट इंडिया कंपनी

14. चिड़ियाँ तोप के साथ क्या करती हैं?

A) उसे चोंच मारती हैं

B) तोप के भीतर घुस जाती हैं

C) उसे गिरा देती हैं

D) उसके ऊपर बैठकर गाती हैं

उत्तर: B) तोप के भीतर घुस जाती हैं

15. वीरेन डंगवाल की कविता में किस प्रकार का व्यंग्य है?

A) धार्मिक

B) राजनैतिक

C) ऐतिहासिक

D) सामाजिक

उत्तर: C) ऐतिहासिक

16. 'तोप' कविता हमें किस बात का संकेत देती है?

A) तोप की सुंदरता

B) शक्ति का पतन

C) प्रकृति की महत्ता

D) बच्चों की मासूमियत

उत्तर: B) शक्ति का पतन

Ncert Solutions of पाठ 5 वीरेन डंगवाल (तोप)

17. कविता में तोप की तुलना किससे नहीं की गई?

- A) चिड़ियों से
- B) बच्चों की सवारी से
- C) शेर से
- D) वीरों की धज्जियों से

उत्तर: C) शेर से

18. वीरेन डंगवाल की कविता 'तोप' में किसकी आलोचना की गई है?

- A) ब्रिटिश शासन की
- B) मुगल शासन की
- C) भारतीय संस्कृति की
- D) युवा वर्ग की

उत्तर: A) ब्रिटिश शासन की

19. कविता में किसने स्वतंत्रता सेनानियों को मारा था?

- A) तलवार
- B) सैनिक
- C) तोप
- D) बंदूक

उत्तर: C) तोप

20. कविता के अंत में कवि क्या कहना चाहते हैं?

- A) तोप अमर है
- B) तोप फिर चल सकती है
- C) तोप एक दिन निष्क्रिय हो जाती है
- D) तोप की पूजा करनी चाहिए

उत्तर: C) तोप एक दिन निष्क्रिय हो जाती है

---

'तोप' पाठ पर आधारित प्रश्न True or False (सही या गलत)

- 'तोप' कविता के रचयिता वीरेन डंगवाल हैं।  
उत्तर: सही
- तोप को साल में चार बार चमकाया जाता है।  
उत्तर: गलत
- तोप अब युद्ध में इस्तेमाल की जाती है।  
उत्तर: गलत

Ncert Solutions of पाठ 5 वीरेन डंगवाल (तोप)

- कंपनी बाग में रखी गई तोप 1857 की है।  
उत्तर: सही
- तोप के ऊपर अब चिड़ियाँ गपशप करती हैं।  
उत्तर: सही
- वीरेन डंगवाल की कविता में तोप को सम्मान का प्रतीक बताया गया है।  
उत्तर: गलत
- कविता में गौरियों का उल्लेख किया गया है।  
उत्तर: सही
- वीरेन डंगवाल का जन्म उत्तर प्रदेश के लखनऊ में हुआ था।  
उत्तर: गलत
- 'तोप' कविता में ब्रिटिश शासन की आलोचना की गई है।  
उत्तर: सही
- अब तोप पर बच्चे घुड़सवारी करते हैं।  
उत्तर: सही
- तोप का मुँह अब भी चालू स्थिति में है।  
उत्तर: गलत
- कविता में तोप को प्रतीक के रूप में प्रस्तुत किया गया है।  
उत्तर: सही
- वीरेन डंगवाल को 'दुष्चक्र में स्रष्टा' पर साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला।  
उत्तर: सही
- तोप अब भी सेनाओं के प्रशिक्षण में काम आती है।  
उत्तर: गलत
- कविता का उद्देश्य युद्ध की महिमा का बखान करना है।  
उत्तर: गलत
- चिड़ियाँ कभी-कभी तोप के भीतर घुस जाती हैं।  
उत्तर: सही
- कंपनी बाग को विरासत की तरह संजोया गया है।  
उत्तर: सही

Ncert Solutions of पाठ 5 वीरेन डंगवाल (तोप)

- तोप को प्रतीक के रूप में उपेक्षित और निष्क्रिय ताकत बताया गया है।  
उत्तर: सही
- वीरेन डंगवाल ने केवल प्रेम विषयक कविताएँ लिखी हैं।  
उत्तर: गलत
- तोप अब इतिहास की धरोहर बन चुकी है।  
उत्तर: सही

---

रिक्त स्थान भरिए –वीरेन डंगवाल (तोप) पर आधारित

- 'तोप' कविता के रचयिता का नाम \_\_\_\_\_ है।  
उत्तर: वीरेन डंगवाल
- तोप \_\_\_\_\_ बाग के मुहाने पर रखी गई है।  
उत्तर: कंपनी
- यह तोप \_\_\_\_\_ की विद्रोह काल की है।  
उत्तर: 1857
- तोप को साल में \_\_\_\_\_ बार चमकाया जाता है।  
उत्तर: दो
- अब तोप पर \_\_\_\_\_ घुड़सवारी करते हैं।  
उत्तर: छोटे लड़के
- तोप के अंदर अक्सर \_\_\_\_\_ घुस जाती हैं।  
उत्तर: चिड़ियाँ
- तोप का मुँह अब \_\_\_\_\_ हो चुका है।  
उत्तर: बंद
- गौरैयाँ जैसी चिड़ियाँ तोप के भीतर \_\_\_\_\_ करती हैं।  
उत्तर: गपशप
- कविता में तोप को \_\_\_\_\_ प्रतीक के रूप में दिखाया गया है।  
उत्तर: निष्क्रिय
- कंपनी बाग को एक \_\_\_\_\_ की तरह संभाला जाता है।  
उत्तर: विरासत

Ncert Solutions of पाठ 5 वीरेन डंगवाल (तोप)

- इस कविता में युद्ध की \_\_\_\_\_ पर कटाक्ष किया गया है।  
उत्तर: प्रसिद्धि
- तोप ने पहले \_\_\_\_\_ को उड़ाया था।  
उत्तर: सूरमाओं
- तोप अब केवल \_\_\_\_\_ का माध्यम बन चुकी है।  
उत्तर: प्रदर्शन
- वीरेन डंगवाल ने इस कविता में \_\_\_\_\_ घटनाओं को प्रतीक रूप में रखा है।  
उत्तर: ऐतिहासिक
- कविता में दिखाया गया है कि समय के साथ ताकत भी हो जाती है \_\_\_\_\_।  
उत्तर: बेअसर
- अब तोप केवल \_\_\_\_\_ के लिए सजाई जाती है।  
उत्तर: सैलानियों
- कविता में तोप को \_\_\_\_\_ की स्मृति से जोड़ा गया है।  
उत्तर: औपनिवेशिक इतिहास
- 'तोप' अब बच्चों के लिए एक \_\_\_\_\_ का साधन बन गई है।  
उत्तर: खेल
- तोप की देखभाल अब केवल \_\_\_\_\_ रूप में होती है।  
उत्तर: प्रतीकात्मक
- वीरेन डंगवाल की कविता में साधारण वस्तुओं में भी \_\_\_\_\_ दृष्टि झलकती है।  
उत्तर: गंभीर